

**पंचतंत्र पुं.** (तत्.) विष्णु शर्मा द्वारा संस्कृत भाषा में लिखित नीति कथाओं का विश्वप्रसिद्ध ग्रंथ जिसमें पाँच तंत्र या खंड हैं- मित्रलाभ, सुहृदभेद, काकोलूकीय, लब्धप्रणाश तथा अपरीक्षित कारक।

**पंचतंत्री स्त्री.** (तत्.) पाँच तारों वाली वीणा 2. जिसमें पाँच तार हों ऐसा वाद्य यंत्र।

**पंचतत्त्व पुं.** (तत्.) 1. पंचभूत, पृथ्वी, जल, तेज (अग्नि), वायु और आकाश 2. वाम मार्ग के अनुसार मद्य, मांस, मत्स्य, मुद्रा तथा मैथुन 3. तंत्रविद्या के अनुसार गुरुतत्त्व, मंत्रतत्त्व, मनस्तत्त्व, देवतत्त्व तथा ध्यानतत्त्व 4. रूप, रस, गंध, स्पर्श तथा शब्द रूपी पाँच सूक्ष्म एवं अतीन्द्रिय तत्त्व जिनसे पंचमहाभूतों की उत्पत्ति होती है।

**पंचतरु पुं.** (तत्.) मंदार, पारिजात, संतान, कल्पवृक्ष तथा हरिचंदन वृक्ष।

**पंचतीर्थ पुं.** (तत्.) वाराहपुराण के अनुसार विश्रान्ति, शौकर, नैमिष, प्रयाग तथा पुष्कर आदि पाँच तीर्थ, काशीखंड के अनुसार, ज्ञानवापी, नंदिकेश, तारकेश्वर, महाकालेश्वर एवं दंडपाणि।

**पंचतृण पुं.** (तत्.) पाँच प्रकार के तृण, कुश, काँस सरकंडा, डाभ और ईख।

**पंचतोरिया स्त्री.** (देश.) एक प्रकार का झीना वस्त्र, पंचतौलिया, पाँच तोले भार वाला झीना वस्त्र।

**पंचदशी स्त्री.** (तत्.) 1. पूर्णिमा, अमावस्या। 2. पुं. (तत्.) वेदांत का एक प्रसिद्ध ग्रंथ।

**पंचदश वि.** (तत्.) पाँच और दस, पंद्रह।

**पंचदेव पुं.** (तत्.) स्मार्त हिंदू समुदाय में मान्य पाँच देवता-आदित्य (सूर्य) विष्णु, रुद्र (शिव) गणेश और शक्ति (दुर्गा देवी)।

**पंचद्रविड़ पुं.** (तत्.) दक्षिण भारत के पाँच प्रकार के ब्राह्मण, महाराष्ट्री, तैलंग, कर्णाट, गुर्जर और द्रविड़।

**पंचधा क्रि.वि.** (तत्.) पाँच प्रकार से।

**पंचधान्य पुं.** (तत्.) इन पाँच अन्नों (अनाजों) का सामूहिक नाम- जौ, गेहूँ, मूँग, धान और तिल।

**पंचनख पुं.** (तत्.) 1. पाँच नाखूनों वाला पशु 2. हाथी 3. कछुआ 4. बाघ या शेर 5. बंदर वि. पाँच नखों वाला।

**पंचनद पुं.** (तत्.) 1. पंजाब की पाँच नदियाँ। सतलुज, व्यास, रावी, चिनाब और झेलम 2. पाँच नदियों का देश, पंजाब।

**पंचनवत वि.** (तत्.) पंचानवेवाँ।

**पंचनाथ पुं.** (तत्.) बदरीनाथ, द्वारकापुरी (द्वारकानाथ) जगन्नाथ (पुरी), रंगनाथ (कर्नाटक) तथा श्रीनाथ द्वारा।

**पंचनामा पुं.** (तत्.+फा.) 1. वह कागज जिस पर पंच लोगों ने अपना निर्णय लिखा हो 2. दो विरोधी पक्ष जिस पत्र द्वारा अपना निर्णय करने हेतु पंच या पंचों का चयन करते हैं।

**पंचनिंब पुं.** (तत्.) नीम के पाँच अंग-मूल, छाल, पत्ती, फूल, फल।

**पंचपदी स्त्री.** (तत्.) चलने में पाँच डग या कदम; 2. पाँच पदों का समूह, 3. कुछ दूर साथ चलने से हो जाने वाला (संबंध)।

**पंचपर्व पुं.** (तत्.) अष्टमी, चतुर्दशी, पूर्णिमा, अमावस्या और रवि संक्रांति, पाँच त्यौहारों का समाहार।

**पंचपल्लव पुं.** (तत्.) पूजा आदि के लिए पाँच वृक्षों, जैसे आम, जामुन, कैथ, बेल और बिनौरा के पत्ते। वैदिक कर्म में पीपल, गूलर, पाकड़, आम तथा बड़ (बरगद) -इन पाँचों वृक्षों के पत्तों की आवश्यकता होती है।

**पंचपुष्प पुं.** (तत्.) देवी-देवताओं के प्रिय माने जाने वाले पाँच फूल; चंपा, आम, शमी, कमल तथा कनेर।

**पंच प्रयाग पुं.** (तत्.) उत्तराखंड में संगम (प्रयाग) सेभिन्न पाँच तीर्थ-देवप्रयाग, कर्णप्रयाग, रुद्रप्रयाग, नंदप्रयाग, विष्णुप्रयाग।

**पंचप्राण पुं.** (तत्.) पाँच प्राण या पाँच वायु जिसमें प्राण, अपान, उदान, समान तथा व्यान चर्चित